सत्यमेव जयते

जैवप्रौद्योगिकी विभाग
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

डीबीटी-जूनियर रिसर्च फैलोशिप (जैवप्रौद्योगिकी)

जैवप्रौद्योगिकी पात्रता परीक्षा (बीईटी) 2020

भारत में रह रहे मूल भारतीय नागरिकों से जैवप्रौद्योगिकी तथा जीव विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में शोध शिक्षा हेतु ''डीबीटी-जूनियर रिसर्च फैलोशिप (डीबीटी-जेआरएफ) के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। अभ्यर्थियों का चयन ''जैवप्रौद्योगिकी पात्रता परीक्षा (बीईटी) के माध्यम से किया जाएगा। बीईटी में प्रदर्शन के आधार पर मेरिट सूची (श्रेणी-1 और श्रेणी-2) तैयार की जाएंगी। चयन हेतु आरक्षण के लिए भारत सरकार के मापदंडों का अनुपालन किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत श्रेणी-1 के तहत चयनित अभ्यर्थी फैलोशिप लेने के पात्र होंगे। ये भारत में किसी भी विश्वविद्यालय/संस्थान में मान्य होंगे जहां चयनित अभ्यर्थी पीएचडी प्रोग्राम के लिए पंजीकृत किए जाते हैं। श्रेणी-2 के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थी डीबीटी द्वारा प्रायोजित किसी भी प्रोजेक्ट में नियुक्त किए जाने तथा एनईटी/गेट के समकक्ष परियोजनाओं से फैलोशिप प्राप्त करने के पात्र होंगे बशर्ते इनका चयन संस्थागत चयन प्रक्रिया के अधीन हो। डीबीटी प्रायोजित परियोजनाओं के प्रधान अन्वेषकों पर श्रेणी-2 से अपनी प्रोजेक्ट के लिए जेआरएफ का चयन करने के लिए कोई बाध्यता नहीं होगी। श्रेणी-2 में चयन के परिणामस्वरूप छात्रों को डीबीटी-जेआरएफ प्रोग्राम से किसी भी तरह की फैलोशिप लेने का अधिकार नहीं होगा।

पात्रता

शैक्षिक अर्हताएं: एम.एससी./एम.टेक./एम.वी.एससी. अथवा जैवप्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में समकक्ष डिग्री/इंटीग्रेटिड बीएस-एमएस/बी.ई./बी.टेक., एम.एससी./एम.टेक. बॉयोइंफॉरमेटिक्स / कंप्यूटेशनल बॉयोलॉजी, डीबीटी से सहायता प्राप्त पोस्टग्रेजुएट शिक्षण प्रोग्राम के तहत प्रवेश प्राप्त छात्र। एम.एससी. लाइफ साइंस/ बायोसाइंस / जूलॉजी / वनस्पति विज्ञान / माइक्रोबॉयालॉजी / बायोकेमिस्ट्री / बायोफिजिक्स तथा बायोलॉजी/लाइफ साइंस के संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकोत्तर। अंतिम वर्ष की परीक्षा दे रहे अभ्यर्थी भी आवेदन करने के पात्र हैं।

अंक: सामान्य श्रेणी, ईडब्ल्यूएस तथा अपिव श्रेणी के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांगों के लिए 55 प्रतिशत अंक (अथवा समकक्ष ग्रेड) ।

आयु सीमा: सामान्य तथा ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को 28 वर्ष। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांगों/महिला अभ्यर्थियों के लिए 5 वर्ष की छूट (33 वर्ष) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमी लेयर) अभ्यर्थियों के लिए 3 वर्ष की छूट (31 वर्ष)।

अवार्ड का ब्यौरा

डीबीटी-बीईटी (श्रेणी-1) किसी अभ्यर्थी को फैलोशिप शुरू करने का अधिकार प्रदान करती है जो अवार्ड पत्र जारी करने की तिथि से 2 वर्ष के भीतर देश में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा संस्थान में पीएचडी प्रोग्राम में प्रवेश तथा पंजीकरण के अधीन है । पीएचडी के लिए पंजीकरण का दायित्व अभ्यर्थी का होता है और इस संबंध में डीबीटी की कोई भूमिका/दायित्व नहीं होता है। छंटनी किए गए अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच की जाएगी। अपात्र पाए गए अभ्यर्थियों अथवा जिन्होंने गलत दस्तावेज जमा करवाए हैं, उन्हें अवार्ड पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

चयन की विधि

अथ्यर्थियों का चयन "जैवप्रौद्योगिकी पात्रता परीक्षा (बीईटी)" कंप्यूटर आधारित होगा । अथ्यर्थी के पास आवेदन फार्म में दिए गए विकल्पों में से अपनी पसंद के कोई भी तीन केंद्र चुनने का विकल्प होगा। यह प्रयास किया जाएगा कि अभ्यर्थी को उसके द्वारा विकल्पित तीन शहरों/केंद्रों में से कोई एक आबंटित किया जाए, तथापि, कुछ विशिष्ट मामलों में, किसी अभ्यर्थी को प्रशासनिक कारणों के चलते कोई अन्य शहर/केंद्र आबंटित किया जा सकता है। परीक्षा देने के लिए किसी भी अभ्यर्थी को किसी तरह का टीए/डीए नहीं दिया जाएगा।

आवेदन की विधि

आवेदन फार्म भरने, आवेदन शुल्क का भुगतान तथा निर्धारित प्रपत्र में अपेक्षित दस्तावेज/प्रमाण-पत्र अपलोड करने की विस्तृत प्रक्रिया के लिए कृपया http://rcb.res.in/BET2020 देखें। सामान्य/अन्य पिछड़ा वर्ग/ईडबल्यूएस श्रेणी के अभ्यर्थियों को 1000 रू. तथा अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों को 250 रू. का लौटाया न जाने वाला एवं अहस्तांतरणीय शुल्क का भुगतान करना होगा।

महत्वपूर्ण तिथियां

गतिविधि	तिथि
ऑनलाइन पंजीकरण शुरू करने की तिथि	**अप्रैल 20, 2020**
ऑनलाइन पंजीकरण बंद करने की तिथि	**मई 18, 2020**
बीईटी 2020	**जून 30, 2020 (मंगलवार)- संभावित**
प्रश्न-पत्र तथा उत्तर कुंजी का वेबासाइट पर प्रदर्शन	**जून 30, 2020**
प्रश्न-पत्र एवं उत्तर कुंजी में किसी प्रकार की विसंगति का अनुरोध प्राप्त करने की अंतिम तिथि	**जुलाई 3, 2020**
बीईटी 2020 के परिणाम की घोषणा	**जुलाई 20, 2020**